D.El.Ed. IV Sem

Subject :- प्रारम्भिक स्तर पर भाषा एवं गणित के पठन-लेखन तथा पूर्व सम्बोधो/क्षमताओ का विकास

Topic :- श्रवण कौशल

सुनना एक प्रकृति प्रदत्त शक्ति है। जिस व्यक्ति की श्रवणेन्द्रियां ठीक नही होती वह व्यक्ति किसी भी संदेश या निर्देश को उचित रूप मे नही सुन पाता जिससे कि उसके कार्य व शिक्षण की प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाती है। छात्र को निर्देशो, संदेशो तथा कहानियो के निहित भावो व उद्देश्यो को सुनकर समझने के लिए उनमे श्रवण कौशल उच्च होना चाहिए।

मौखिक भाषा का पहला कौशल है – श्रवण कौशल किसी भी प्रकार से दिये जा रहे ज्ञान, भावो और विषय को भली प्रकार सुनकर ही समझा जा सकता है। इन लोगो को इस बात का अहसास नही होता कि भाषा तथा भावो को समझने मे श्रवण तथा इसके कौशल का कितना महत्व है।

प्रारम्भिक स्तर पर बालको के ज्ञान मे वृद्धि करने तथा बालको (छात्रो) के विकास मे वृद्धि करने मे अध्यापक, समाज तथा परिवार द्वारा निर्देशो, संदेशो, कविता, शिक्षण, नाटक शिक्षण, द्वारा कई प्रकार के भावो तथा विचारो (ज्ञानात्मक बिन्दु) को समझाया जाता है। जिससे उनका सर्वांगीण विकास किया जा सके।

Thank you